11/1/21

वाक्य - विचार

१. वाक्य किसे कहते हैं ?

उ- सार्थक शब्दों का ऐसा समूह, जो अपना व्यवस्थित अर्थ दे अथवा एक अपेक्षित अर्थ की ओर संकेत करे, उसे वाक्य कहते हैं।

वाक्य की परिभाषा से तीन बातें निकलकर आती हैं

- सार्थक शब्दों का समूह
- व्यवस्थित अर्थ देने वाला हो
- अपेक्षित अर्थ की ओर संकेत करे

उदाहरण

पुनादया पाठ पढ़ रही है।

समक्ष विद्यालय जा रहा है।

दीप्ति ने चार पुस्तकें ~~खरीदें~~ खरीदी।

Q. उद्देश्य और विधेय में क्या अंतर है उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए ?

उ- उद्देश्य - वाक्य में जिसके में कुछ कहा जा रहा हो, उसे उद्देश्य कहते हैं।

विधेय - वाक्य में उद्देश्य के बारे में जो कुछ कहा जाता है, उसे विधेय कहते हैं।

उद्देश्य	विधेय
मानव	पाठ याद कर रहा है।
स्वाती	खाना खा रही है।

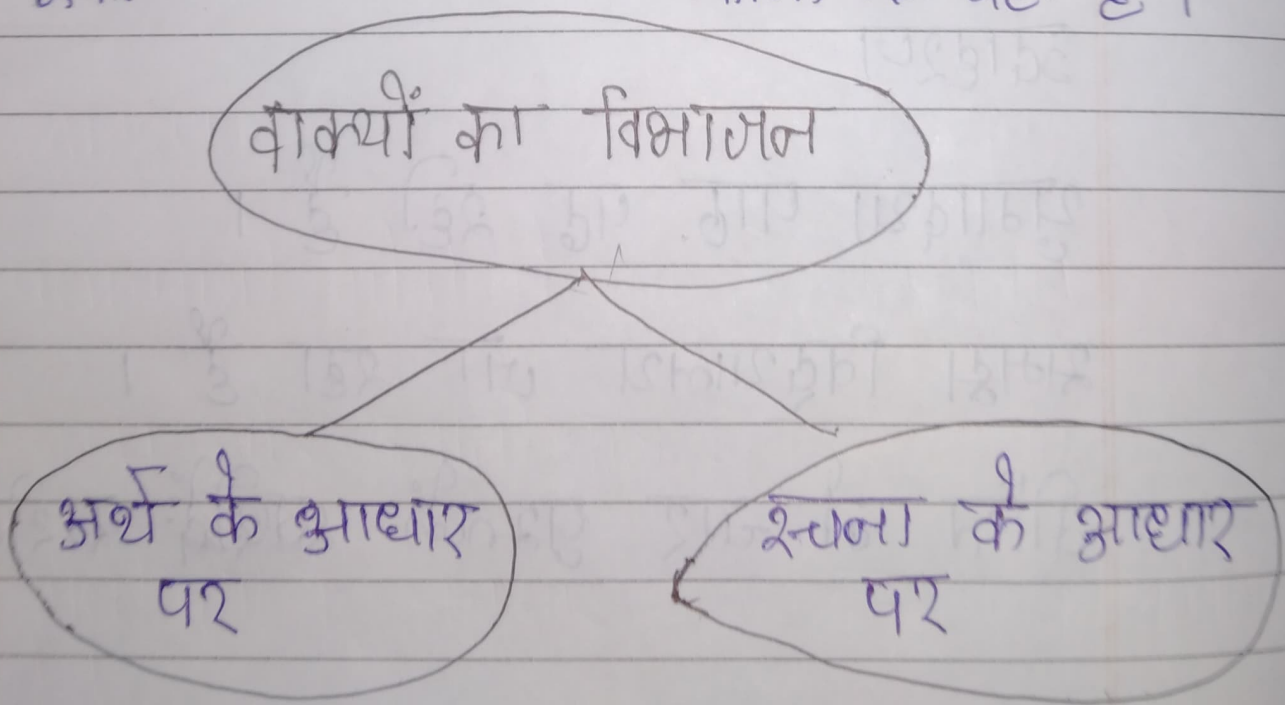

अर्थ के आधार पर — जिन वाक्यों में अर्थपरक कोई सुनिश्चित अर्थ छिपा हो।

रचना के आधार पर — जिन वाक्यों का निर्माण विभिन्न प्रकार के अव्यय या समुच्चयबोधक, अव्यय या अन्य संयोजक पदों के मेल से किया जाए।

3. अर्थ के आधार पर वाक्य के कितने भेद हैं?

3- अर्थ के आधार पर वाक्य के 8 भेद हैं :-

- विधानवाचक
- प्रश्नवाचक
- निषेधवाचक
- इच्छावाचक
- आज्ञावाचक
- संकेतवाचक
- संदेहवाचक
- विस्मयवाचक

4. रचना के आधार पर वाक्य के कितने भेद हैं?

उ- रचना के आधार पर वाक्य के 3 भेद हैं :-

- सरल वाक्य (साधारण वाक्य, सामान्य वाक्य)
- संयुक्त वाक्य
- मिश्र वाक्य

5. सरल वाक्य किसे कहते हैं?

उ- जिस वाक्य में एक उद्देश्य व एक विधेय हो अथवा एक कर्ता व एक क्रिया हो, उसे सरल वाक्य कहलाता है।

उदाहरण :-

प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात की।

रमन और स्वाती बाजार गए।

गाँधी जी के अनुसार गाय करुणा की कविता है।

Q. संयुक्त वाक्य किसे कहते हैं?

उ- जब दो स्वतंत्र - स्वतंत्र वाक्य विभिन्न प्रकार के समुच्चयबोधक अव्ययों से जुड़े हों तो वह संयुक्त वाक्य कहलाता है। (और, एवं, तथा, या, अथवा, अत: इसलिए, औ, किंतु, परंतु, लेकिन, पर, ने-न)

उदाहरण :-

उसने समाचार पत्र पढ़ा और विद्यालय गया।

रमा मन से पढ़ाई करती है, इसलिए अच्छे अंक आते हैं।

आप स्टेशन से स्वयं आ जाएँगे या मैं लेने आऊँ।

Q. मिश्र वाक्य किसे कहते हैं ?

उ- जिस वाक्य में एक प्रधान उपवाक्य हो व एक या एक से अधिक आश्रित हों, उसे मिश्र वाक्य कहते हैं।

उदाहरण :-

पिता ने कहा कि मन लगाकर पढ़ाई करो।

जो लोग प्रातः भ्रमण करते हैं, वे स्वस्थ रहते हैं।

जितनी भूख हो, उतना ही भोजन करना चाहिए।